संघर्ष से बदला जीवन कभी ठीक नहीं थी घर की माली हालत, अब तृप्ता देवी टिफिन सर्विस शुरू करके महीने में कमा रही 70 से 80 हजार

टिफिन सर्विस से बदली आर्थिकी, दूसरों को दे रही रोजगार

द्र सरकार की एनयूएलएम जना ने बदली तृप्ता की क़दीर

भास्कर न्यूज | शिमला

कुल्लू की तृप्ता शर्मा जो कभी एक एक पाई की मोहताज हुआ करती थी, आज वह महीने के 70 से 80 हजार तो कमा ही रही है साथ ही पांच अन्य लोगों को भी रोजगार दे रही है। यह सब मुमकिन हुआ केंद्र सरकार की राष्ट्रीय आजीविका मिशन योजना से। तृप्ता शर्मा ने घर की माली हालत को सुधारने के लिए योजना के तहत दो लाख रुपए का ऋण लिया।

इस ऋण से उन्होंने महानगरों की तर्ज पर टिफिन सेवा शुरू की। पहले तो उन्हें इसमें घाटे का सामना करना पड़ा, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इस कार्य को आगे जारी रखने का निर्णय लिया और वह इसमें सफल हो गई। उनका यह काम दिन दोगुना और रात चो-गुना चमकने लगा। टिफिन सर्विस की उनकी डिमांड लोगों में इस कदर बढ़ गई है कि उन्होंने अब लंच के साथ ब्रेकफास्ट और डिनर सर्विस भी शुरू कर दिया है। वह दुकानों, बैंकों, कार्यालयों में टिफिन सर्विस दे रही है। जो लोगों को बहुत रास आ रहा है।

हर दिन का मैन्यू है अलग

तृप्ता शर्मा की इस टिफिन सर्विस में हर दिन का मैन्यू अलग अलग रहता है। इसमें दाल चावल, सब्जी, चपाती, सलाद के अलावा मिठ्ठा भी शामिल है। इसके साथ वह अब पार्टी के भी आर्डर ले रही है। यह सब मुमकिन हुआ एनयूएलएम स्कीम के तहत जिसने उन्हें खुद का रोजगार शुरु करने की प्रेरणा दी। तृप्ता शर्मा कहती है कि इस योजना से जुड़ने से पहले उनकी घर की हालत काफी दयनीय थी। तब उन्हें किसी ने इस योजना से जुड़ने के बारे में कहा। वह अधिकारियों से मिली। उन्होंने अपने साथ कुछ और महिलाओं को भी जोड़ा। खुद का रोजगार पाने के लिए उन्हें बैंक ने कम ब्याज पर ऋण प्रदान किया। इससे उन्होंने खुद का व्यवसाय शुरु किया जो आज काफी अच्छे से चल रहा है। तृप्ता कहती है कि आज की भाग दौड़ और व्यस्त भरी जिंदगी में लोगो के पास अपने लिए फुर्सत नहीं है। इसी कंसेप्ट को ध्यान में रख कर उन्होंने लोगों के लिए टिफिन सर्विस शुरु की। इसमें उन्हें घर के जैसे खाने का स्वाद तो मिलता ही है साथ ही पौष्टिक और हाइजीन भी है।